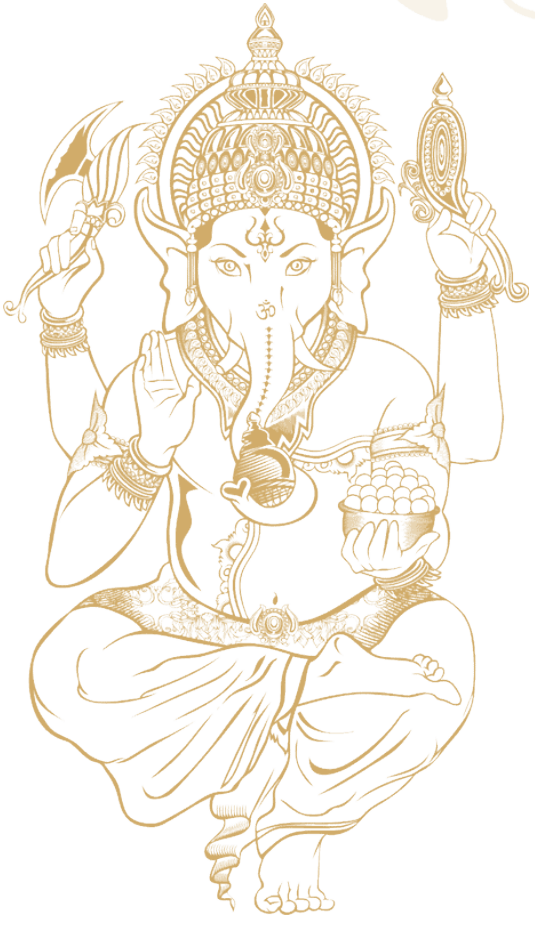

Sankalp

16 Oct 2014

10:57 AM

Sultanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121798102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/10/2014**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:57:00 घंटे**
इष्ट	12:19:07 घटी
स्थान	**Sultanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:15:00 उत्तर
रेखांश	82:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:55:16 घंटे
वेलान्तर	00:14:24 घंटे
साम्पातिक काल	12:33:54 घंटे
सूर्योदय	06:01:21 घंटे
सूर्यास्त	17:33:06 घंटे
दिनमान	11:31:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:42:35 कन्या
लग्न के अंश	02:24:46 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सिद्ध
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हू-हुकमसिंह
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:24:46	326:51:25	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	28:42:35	00:59:29	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			कर्क	03:25:22	11:59:33	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	स्वराशि
मंगल			वृश्चि	28:27:45	00:43:26	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध	व	अ	तुला	00:06:47	01:13:21	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु			कर्क	24:18:12	00:08:48	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	उच्च राशि
शुक्र		अ	कन्या	26:21:58	01:15:04	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	गुरु	नीच राशि
शनि			तुला	28:01:33	00:06:32	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
राहु			कन्या	25:10:38	00:00:01	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	25:10:38	00:00:01	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मीन	20:06:43	00:02:24	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	---
नेप	व		कुंभ	10:59:43	00:00:58	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
प्लूटो			धनु	17:04:09	00:00:43	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
दशम भाव			कन्या	15:09:52	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:54

लग्न-चलित

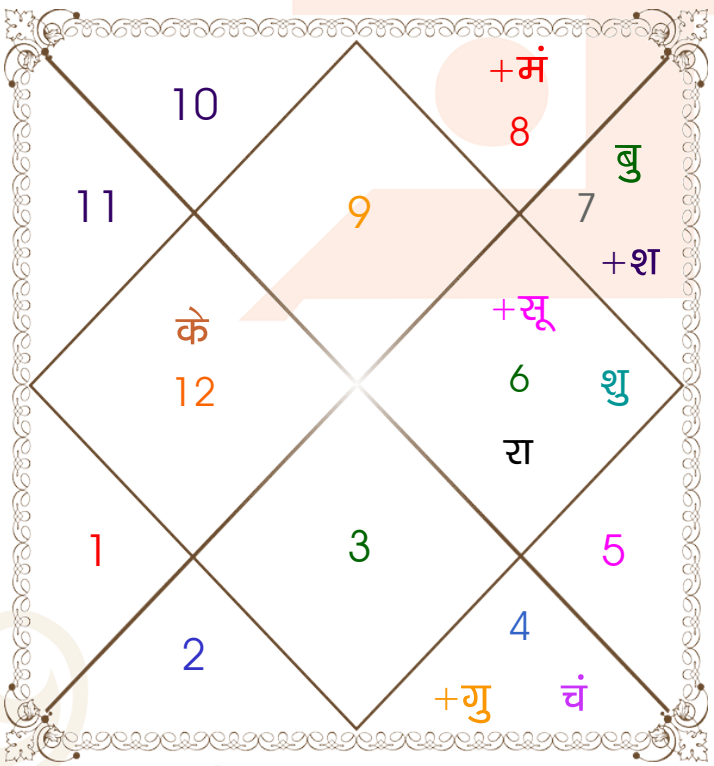

चन्द्र कुंडली

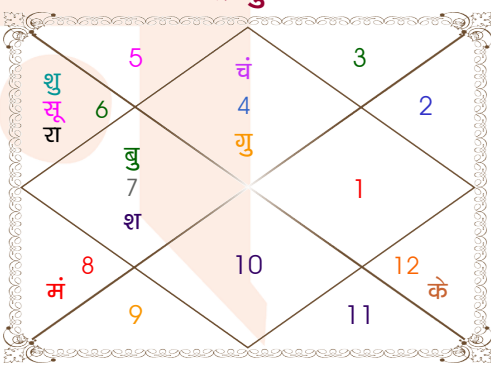

नवमांश कुंडली

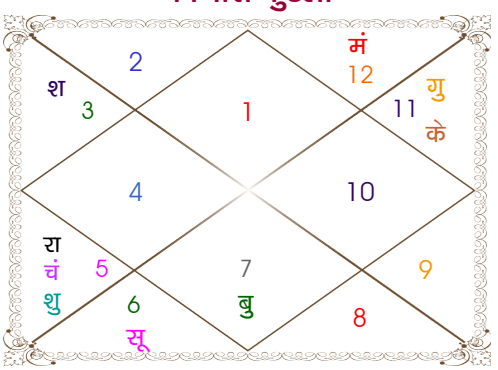

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 10 मास 14 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
16/10/2014		30/08/2033		30/08/2050		30/08/2057		30/08/2077	
30/08/2033		30/08/2050		30/08/2057		30/08/2077		31/08/2083	
शनि	02/09/2017	बुध	27/01/2036	केतु	27/01/2051	शुक्र	30/12/2060	सूर्य	18/12/2077
बुध	12/05/2020	केतु	23/01/2037	शुक्र	28/03/2052	सूर्य	30/12/2061	चंद्र	18/06/2078
केतु	21/06/2021	शुक्र	24/11/2039	सूर्य	02/08/2052	चंद्र	31/08/2063	मंगल	24/10/2078
शुक्र	21/08/2024	सूर्य	29/09/2040	चंद्र	04/03/2053	मंगल	30/10/2064	राहु	18/09/2079
सूर्य	03/08/2025	चंद्र	01/03/2042	मंगल	31/07/2053	राहु	31/10/2067	गुरु	06/07/2080
चंद्र	04/03/2027	मंगल	26/02/2043	राहु	18/08/2054	गुरु	01/07/2070	शनि	18/06/2081
मंगल	12/04/2028	राहु	14/09/2045	गुरु	25/07/2055	शनि	30/08/2073	बुध	25/04/2082
राहु	17/02/2031	गुरु	21/12/2047	शनि	02/09/2056	बुध	30/06/2076	केतु	30/08/2082
गुरु	30/08/2033	शनि	30/08/2050	बुध	30/08/2057	केतु	30/08/2077	शुक्र	31/08/2083

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
31/08/2083		30/08/2093		31/08/2100		31/08/2118		31/08/2134	
30/08/2093		31/08/2100		31/08/2118		31/08/2134		00/00/0000	
चंद्र	30/06/2084	मंगल	26/01/2094	राहु	14/05/2103	गुरु	19/10/2120	शनि	17/10/2134
मंगल	29/01/2085	राहु	14/02/2095	गुरु	07/10/2105	शनि	02/05/2123		00/00/0000
राहु	31/07/2086	गुरु	21/01/2096	शनि	13/08/2108	बुध	07/08/2125		00/00/0000
गुरु	30/11/2087	शनि	01/03/2097	बुध	02/03/2111	केतु	14/07/2126		00/00/0000
शनि	30/06/2089	बुध	26/02/2098	केतु	20/03/2112	शुक्र	14/03/2129		00/00/0000
बुध	30/11/2090	केतु	25/07/2098	शुक्र	20/03/2115	सूर्य	31/12/2129		00/00/0000
केतु	01/07/2091	शुक्र	24/09/2099	सूर्य	12/02/2116	चंद्र	02/05/2131		00/00/0000
शुक्र	01/03/2093	सूर्य	30/01/2100	चंद्र	13/08/2117	मंगल	07/04/2132		00/00/0000
सूर्य	30/08/2093	चंद्र	31/08/2100	मंगल	31/08/2118	राहु	31/08/2134		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 18 वर्ष 10 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।